[This question paper contains 02 printed pages.]

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302309**
Title of the Paper	**:**	**सूर्यसिद्धान्त एवं वेदाङ्गज्योतिष**
		Suryasiddhanta & Vedanga Jyotish
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, Examination, January, 2024.**
Group	**:**	**I**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** की व्याख्या कीजिए। **7x4=28**
   Give explanation on any **four** of the following:

   (क) वारप्रवृत्तिः प्राग्देशे क्षपार्धेऽभ्यधिके भवेत्।
   तद्देशान्तरनाडीभिः पश्चादूने विनिर्दिशेत्॥

   (ख) युगे सूर्यज्ञशुक्राणां खचतुष्करदार्णवाः।
   कुजार्किगुरुशीघ्राणां भगणाः पूर्वयायिनाम्॥

   (ग) तद्द्वादश सहस्राणि चतुर्युगमुदाहृतम्।
   सूर्याब्दसंख्यया द्वित्रिसागरैरयुताहतैः॥

   (घ) निरेकं द्वादशाभ्यस्तं द्विगुणं चापसंयुतम्।
   षष्ट्या षष्ट्या युतं द्वाभ्यां पर्वणां राशिरुच्यते॥

   (ङ) स्वराक्रमेते सौमार्कौ यदा साकं सवासवौ।
   स्यात् तदादियुगं माघस्तपःशुक्लोऽयनह्युदक्॥

2. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो- **5+5+5+7=22**

Write a short note on any **four** of the following, out of which one in Sanskrit:

(क) ससन्धिमहायुगमान

(ख) महायुगीन ग्रहभगण

(ग) भूपरिधि

(घ) चान्द्रमास

(ङ) तिथि विचार

(च) नक्षत्र विचार

3. "बार्हस्पत्यवर्षानयन" विधि पर प्रकाश डालिए। **10**

Throw light on the method of "बार्हस्पत्यवर्षानयन"

अथवा/OR

"चतुर्विध अहोरात्र" का विस्तृत परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Present detailed introduction of "चतुर्विध अहोरात्र"

4. वेदांग-ज्योतिष के आधार पर ज्योतिष की महत्ता स्पष्ट कीजिए। **10**

Describe the importance of Jyotish-Shastra on the basis of "वेदांग-ज्योतिष"

अथवा/OR

वेदांग ज्योतिष के अनुसार युग विचार पर प्रकाश डालिए।

Throw light on "युग विचार" according to वेदांग-ज्योतिष।